

अनुक्रमणिका

● आधुनिक भारत का इतिहास 67-112

<ul style="list-style-type: none"> ♦ यूरोपीय कंपनियों का आगमन 67-69 ♦ बंगाल के नवाब और ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी 70 ♦ क्षेत्रीय राज्य : पंजाब एवं मैसूर 71-72 ♦ गवर्नर/गवर्नर जनरल/वायसराय 72-74 ♦ भू-राजस्व व्यवस्था 74 ♦ धन का बहिर्गमन सिद्धांत 75 ♦ 1857 की क्रांति 76 ♦ अन्य जन आंदोलन 77 ♦ आधुनिक भारत में शिक्षा का विकास 77-78 ♦ आधुनिक भारत में प्रेस का विकास 78-79 ♦ सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलन 79-80 ♦ कांग्रेस से पूर्व स्थापित राजनीतिक संस्थाएं 80 ♦ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 81 ♦ भारत में क्रांतिकारी आंदोलन 82 ♦ भारत से बाहर क्रांतिकारी गतिविधियां 82-83 ♦ बंगाल विभाजन तथा स्वदेशी आंदोलन 84 ♦ कांग्रेस अधिवेशन 85 ♦ मुस्लिम लीग 85 ♦ मार्ले - मिंटो सुधार 85 ♦ होमरूल लीग आंदोलन 86 ♦ गांधी जी एवं उनके प्रारंभिक आंदोलन 86-87 ♦ किसान आंदोलन एवं किसान सभा 88 ♦ ट्रेड यूनियन एवं साम्यवादी दल 89 ♦ रौलेट एक्ट 89 ♦ जलियांवाला बाग हत्याकांड 89-90 ♦ खिलाफत आंदोलन 90 ♦ असहयोग आंदोलन 91 ♦ स्वराज पार्टी (1923) 91 ♦ साइमन कमीशन (1927) 92 ♦ कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन, पूर्ण स्वराज प्रस्ताव (1929) 92 	<ul style="list-style-type: none"> ♦ सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930) 93 ♦ गांधी - इर्विन समझौता (1931) 93 ♦ कांग्रेस का कराची अधिवेशन (26-31 मार्च, 1931) 94 ♦ तीनों गोलमेज सम्मेलन 94 ♦ सांप्रदायिक पंचाट एवं पूना पैक्ट 94 ♦ कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी (1934) 95 ♦ प्रांतीय चुनाव और मंत्रिमंडल का गठन (1937) 96 ♦ देशी रियासतें 96 ♦ द्वितीय विश्व युद्ध 97 ♦ पाकिस्तान की मांग 97 ♦ व्यक्तिगत सत्याग्रह (1940) 98 ♦ क्रिप्स मिशन, 1942 98 ♦ भारत छोड़ो आंदोलन, 1942 98-100 ♦ सुभाष चंद्र बोस और आजाद हिंद फौज 100-101 ♦ कैबिनेट मिशन (1946) 101 ♦ संविधान सभा 101-102 ♦ अंतरिम सरकार 102 ♦ भारत का विभाजन एवं स्वतंत्रता 103 ♦ भारत का संवैधानिक विकास 104-106 ♦ आधुनिक भारतीय इतिहास : विविध 106 ♦ पत्रिकाएं, पुस्तकें और उनके लेखक 107 ♦ कला एवं संस्कृति 108 ♦ परंपरागत पुरस्कार 108 ♦ भारत के शास्त्रीय नृत्य : संबंधित राज्य 109 ♦ त्यौहार : संबंधित राज्य 109 ♦ मंदिर : संबंधित राज्य 110 ♦ नृत्य / लोकनृत्य : संबंधित राज्य 110 ♦ महत्वपूर्ण स्मारक : संबंधित राज्य 111 ♦ विविध 111 ♦ जम्मू और कश्मीर 112
--	--

यूरोपीय कंपनियों का आगमन

पुर्तगाली

वास्कोडिगामा (1498 ई.)

- भारत के लिए नए समुद्री मार्ग की खोज
- अहमद इब्न मजीद सहायक
- कालीकट के शासक जमोरिन द्वारा स्वागत
- काली मिर्च के व्यापार से 60 गुना अधिक मुनाफे की प्राप्ति

फ्रांसिस्को द अल्मीड़ा

- भारत में प्रथम पुर्तगाली वायसराय एवं गवर्नर (1505 ई.)
- ब्लू वाटर पॉलिसी / शांत जल की नीति का प्रतिपादक (हिंद महासागर में प्रभुत्व स्थापना हेतु)

अल्फांसो द अल्बुकर्क

- भारत में पुर्तगाली शक्ति का वास्तविक संस्थापक
- 1510 ई. → बीजापुर के शासक यूसुफ आदिलशाह से गोवा छीना
- मलकका एवं हरमुज (फारस की खाड़ी के मुहाने पर स्थित) पर अधिकार
- कोचीन (भारत) में प्रथम यूरोपीय एवं पुर्तगाली दुर्ग का निर्माता (1503 ई. में)

अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कंपनी : आरंभिक वर्ष

- 1599 ई. → इंग्लैण्ड में एक मर्चेंट एडवेंचर्स नामक दल द्वारा स्थापना
- दिसंबर, 1600 → महारानी एलिजाबेथ प्रथम द्वारा कंपनी को पूर्व के साथ व्यापार करने हेतु अधिकार-पत्र प्रदत्त (15 वर्षों हेतु) (भारत का तत्कालीन मुगल बादशाह → अकबर)
- 1611 ई. → कंपनी द्वारा सर्वप्रथम अस्थायी कारखाना मसूलीपट्टनम में स्थापित (तत्कालीन मुगल शासक → जहांगीर)
- 1613 ई. → सूरत में अंग्रेजों का प्रथम स्थायी कारखाना स्थापित

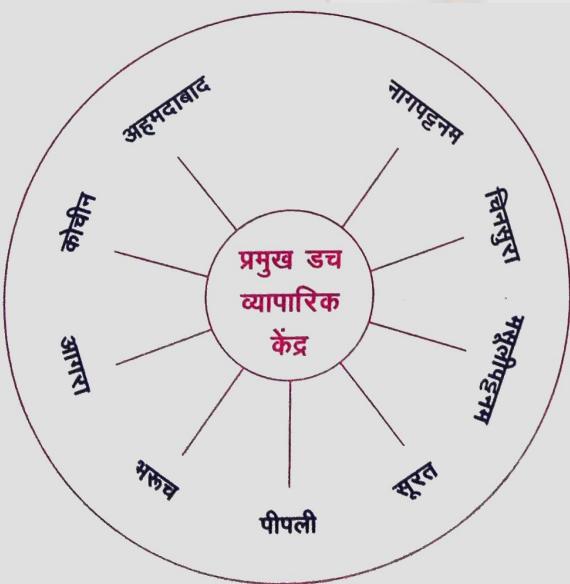
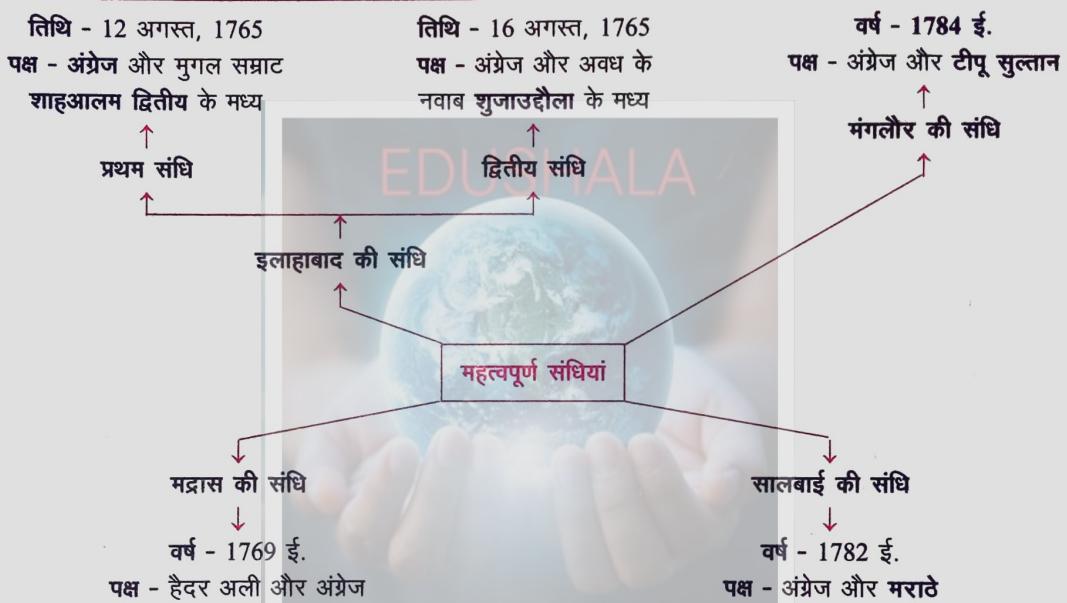
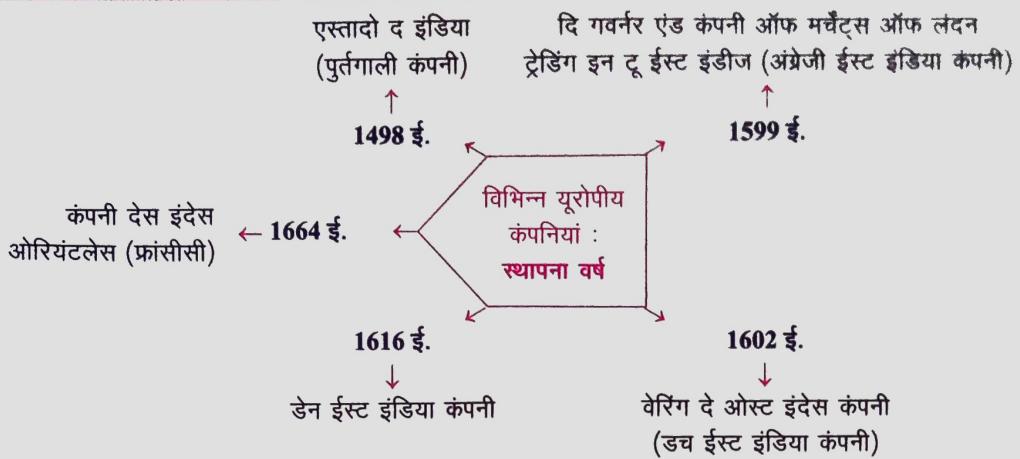
- मूल नाम - कंपनी देस इंडेस ओरियटलेस
- स्थापना - 1664 ई.
- संस्थापक - कॉल्बर्ट (लुई चौदहवें के मंत्री)
- निर्माण - राज्य द्वारा
- खर्च हेतु धन - राज्य द्वारा प्रदत्त
- 1667 ई. - फ्रांसिस केरो, अभियान दल के साथ भारत रवाना
- 1668 ई. - सूरत में प्रथम फ्रांसीसी व्यापारिक कारखाने की स्थापना
- 1669 ई. - मसूलीपट्टनम - दूसरी फ्रांसीसी कोठी स्थापित

महत्वपूर्ण तथ्य

- अंग्रेजों के व्यापार केंद्र के लिए हुगली के स्थान पर सुतानूती (सुतनौती) का चयन करने वाला कासिम बाजार की फैकट्री का प्रमुख था - जॉब चारनॉक
- कोच्चि, ब्रिटिश उपनिवेश के तहत सम्मिलित हुआ - 1814 ई. में
- अंग्रेजी शासनकाल में अफीम उत्पादन हेतु प्रसिद्ध भारतीय राज्य था - बिहार
- पुर्तगालियों को स्वाल्ली नामक स्थान पर हराने वाले अंग्रेज अधिकारी का नाम था - थॉमस बेस्ट
- हुगली को बंगाल की खाड़ी में समुद्री लूटपाट के लिए अड्डे के रूप में प्रयोग करने वाली यूरोपीय शक्ति थी - पुर्तगाली
- यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों के भारत आने का क्रम है - पुर्तगाली, डच, अंग्रेज, डेन, फ्रांसीसी

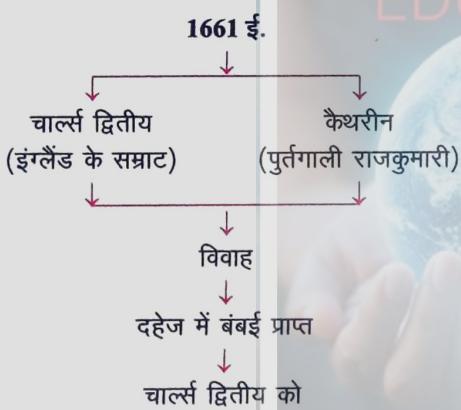
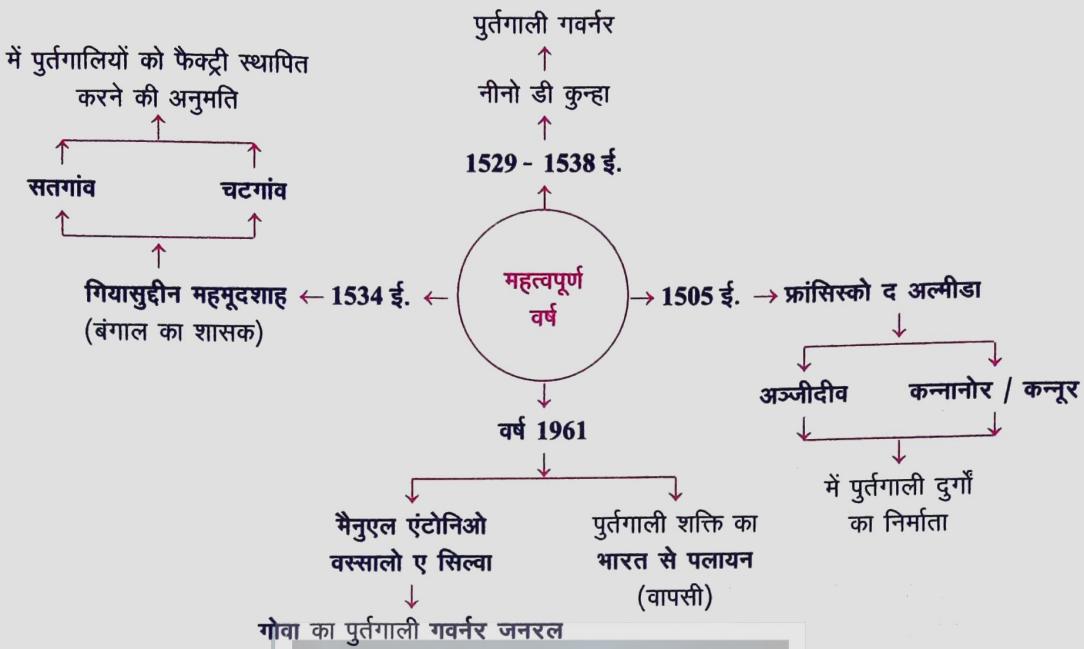
परीक्षोपयोगी दृष्टि

- भारत में सबसे पहले आने (1498) तथा सबसे अंत में जाने (1961) वाली यूरोपीय शक्ति थी - पुर्तगाली
- यूरोपीय शक्तियों में सर्वप्रथम भारत में सामुद्रिक व्यापारिक केंद्र स्थापित किया - पुर्तगाली व्यापारियों ने पुर्तगालियों ने अपनी दूसरी फैकट्री स्थापित की - कन्नूर में
- हुगली स्थित पुर्तगाली बस्तियों को पूरी तरह से नष्ट किया गया - मुगल बादशाह शाहजहां द्वारा
- मसूलीपट्टनम - प्रथम डच फैकट्री का स्थापना स्थल
- पीपली - डचों की बंगाल में प्रथम कंपनी (फैकट्री) का स्थापना स्थल (1627 ई.)



अंग्रेजी - फ्रांसीसी संघर्ष

- कर्नाटक का प्रथम युद्ध (1746-48 ई.)
- तात्कालिक कारण - अंग्रेज कैप्टन बर्नट के नेतृत्व में अंग्रेजी सेना द्वारा कुछ फ्रांसीसी जहाजों पर अधिकार
- ऑस्ट्रिया के उत्तराधिकार युद्ध का विस्तार मात्र
- एक्सला - शापेल की संधि (1748 ई.) से ऑस्ट्रिया का उत्तराधिकार युद्ध समाप्त
- वांडीवाश युद्ध (अंग्रेज बनाम फ्रांसीसी)
- समय - जनवरी, 1760
- नेतृत्व
 - आयरकूट → अंग्रेजी सेना का
 - कांडंड डी लाली → फ्रांसीसी सेना का
- परिणाम → अंग्रेज → विजेता



विविध

- रणजीत सिंह ने तोरें, गोला और बारूद बनाने के कारखाने स्थापित किए थे - लाहौर तथा अमृतसर में
- आमेर के सवाई जयसिंह ने यूकिलड के 'रेखांगणित के तत्त्वों' का अनुवाद कराया - संस्कृत भाषा में
- शृंगेरी मंदिर में शारदा देवी की मूर्ति निर्माण हेतु धन देने वाले मुस्लिम शासक का नाम था - दीपू सुल्तान
- लॉर्ड हेस्टिंग्स ने पेशवाई को समाप्त किया - 1818 ई. में
- द पायनियर समाचार-पत्र का प्रारंभ 1865 ई. में इलाहाबाद से किया था - जॉर्ज एलेन ने
- 1878 ई. में देशी भाषा (वर्नाक्यूलर) प्रेस अधिनियम से बचने के लिए रातों-रात अंग्रेजी भाषा में रूपांतरित की गई पत्रिका थी - अमृत बाजार पत्रिका

विविध

- राजसी उपाधि अधिनियम
 - पारित वर्ष → 1876 ई.
 - पारित प्राधिकारी → ब्रिटिश संसद
 - प्रावधान → महारानी विक्टोरिया भारत की साम्राज्ञी नियुक्त

- विधवा पुनर्विवाह अधिनियम
 - प्रारूपित और प्रस्तुत → लॉर्ड डलहौजी के समय
 - अधिनियमित तिथि → 26 जुलाई, 1856
 - तत्कालीन गवर्नर जनरल → लॉर्ड कैनिंग
 - नियम 15 (XV)
 - विधवा विवाह → वैध
 - उत्पन्न संतान → वैध

बंगाल के नवाब और ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी

► मुर्शिद कुली खान

- अंतिम गवर्नर → मुगल सम्राट द्वारा स्वतंत्र रूप से बंगाल में नियुक्त
- इजारा व्यवस्था → भूमि बंदोबस्त में प्रारंभ
- राजधानी → ढाका से मकसूदाबाद (मुर्शिदाबाद) स्थानांतरित

► अलीवर्दी खां (1740-56 ई.)

- यूरोपीय शक्तियों की तुलना मधुमक्खी से
- प्रसिद्ध कथन → यदि उन्हें न छेड़ा जाए तो वे शहद देंगी और यदि छेड़ा जाए तो वे काट - काट कर मार डालेंगी

► सिराजुद्दौला (1756-57 ई.)

- अलीवर्दी खां का दौहित्र एवं उत्तराधिकारी
- ब्लैक होल की घटना 20 जून, 1756
- प्लासी के युद्ध में रॉबर्ट क्लाइव से परास्त

► मीर कासिम

(1760-63 ई.)

- अलीवर्दी खां के उत्तराधिकारी नवाबों में सबसे योग्य
 - पूर्णिया तथा रंगपुर का फौजदार (पूर्व में)
 - राजधानी → मुर्शिदाबाद से मुंगेर स्थानांतरित
 - सेना का गठन → यूरोपीय पद्धति पर निश्चय
 - मुंगेर → तोपें तथा तोड़ेदार बंदूकें बनाने की व्यवस्था
- बक्सर के युद्ध में अंग्रेजों से परास्त

भारतवर्ष में

ब्रिटिश

साम्राज्य का
संस्थापक

सिराजुद्दौला
को हराया

प्लासी का युद्ध

भारत में ब्रिटिश
प्रभुत्व की नींव
रखने वाला

बंगाल का गवर्नर

1757-60 ई.

1765-67 ई.

जननेता
सैनिक के
रूप में

संस्थापक
बंगाल में लुटेरा
राज्य का

श्वेत विद्रोह
अंग्रेज सैनिकों
का

रॉबर्ट

क्लाइव

इलाहाबाद
की संधि

शाहआलम द्वितीय तथा
शुजाउद्दौला के साथ

परीक्षा दृष्टि

- प्लासी (वर्तमान नाम - पलाशी) का युद्ध मैदान पश्चिम बंगाल राज्य के नदिया जिले में स्थित है
 - भागीरथी नदी के किनारे
- कंपनी द्वारा नियुक्त दो उप-दीवान (दीवानी कार्य हेतु) थे
 - मुहम्मद रजा खान → बंगाल के लिए
 - राजा शिताब राय → बिहार के लिए
- बक्सर के युद्ध के समय बंगाल का नवाब था
 - मीर जाफर

बक्सर का युद्ध

- 22 अक्टूबर, 1764 को समाप्त
- मीर कासिम, अवध के नवाब शुजाउद्दौला, दिल्ली के मुगल बादशाह शाहआलम द्वितीय बनाम अंग्रेज
- अंग्रेजी सेना की कमान → मेजर हेक्टर मुनरो
- बंगाल का तत्कालीन नवाब → मीर जाफर

शाहआलम द्वितीय (1759-1806 ई.)

- इलाहाबाद की दूसरी संधि के बाद घटनाक्रम

शाहआलम

- अंग्रेजी संरक्षण में
- इलाहाबाद में रखा गया
- अवध के नवाब द्वारा छोड़े गए इलाहाबाद तथा कड़ा के क्षेत्र शाहआलम को प्रदत्त

- 12 अगस्त, 1765 का फरमान

- कंपनी को बंगाल, बिहार तथा उड़ीसा की दीवानी स्थायी रूप से प्रदत्त
- कंपनी द्वारा सम्राट को 26 लाख रुपये पेंशन प्रतिवर्ष देय

- डूप्ले - पहली बार यूरोपीय सेना को भारतीय व्यय पर भारतीय राजदरबारों में नियुक्त करवाया
- सूरत - फ्रांस का भारत में पहला व्यापारिक कारखाना

क्षेत्रीय राज्य : पंजाब एवं मैसूर

पंजाब

रणजीत सिंह

- जन्म ● 13 नवंबर, 1780 को
 - सुकरचकिया मिसल के मुखिया महासिंह के घर
- अमृतसर ● महाराजा रणजीत और अंग्रेजों की संधि के मध्य
 - तिथि → 25 अप्रैल, 1809
- चिनाब नदी में गिरी जमान शाह की तोपें को निकलवा कर वापस जमान शाह के पास भेजा
- जमान शाह ● लाहौर पर रणजीत सिंह को अधिकार करने की अनुमति प्रदत्त
 - 1799 ई. में लाहौर पर अधिकार (लाहौर राजधानी घोषित)
- जमान शाह ने → राजा की उपाधि दी और लाहौर का अपना सूबेदार माना
- 1805 ई. → भंगी मिसल से अमृतसर छीना
- शाहशुजा → रणजीत सिंह को कोहिनूर का उपहार
- विक्टर ज़ाकमां →
 - प्रांसीसी पर्यटक
 - रणजीत सिंह की तुलना नेपोलियन बोनापार्ट से
- फकीर अजीजुद्दीन → रणजीत सिंह का विदेश मंत्री
- प्रसिद्ध कथन → “ईश्वर की इच्छा थी कि मैं सब धर्मों को एक निगाह से देखूं, इसीलिए उसने दूसरी आंख की रोशनी ले ली”
- पंजाब ●
 - लाहौर (राजनीतिक राजधानी)
 - अमृतसर (धार्मिक राजधानी)

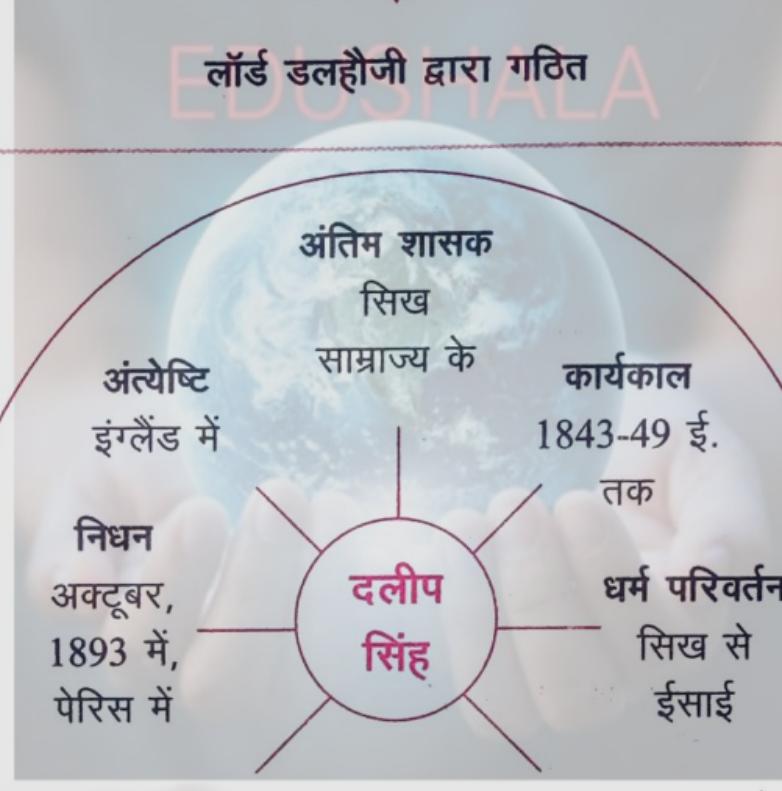
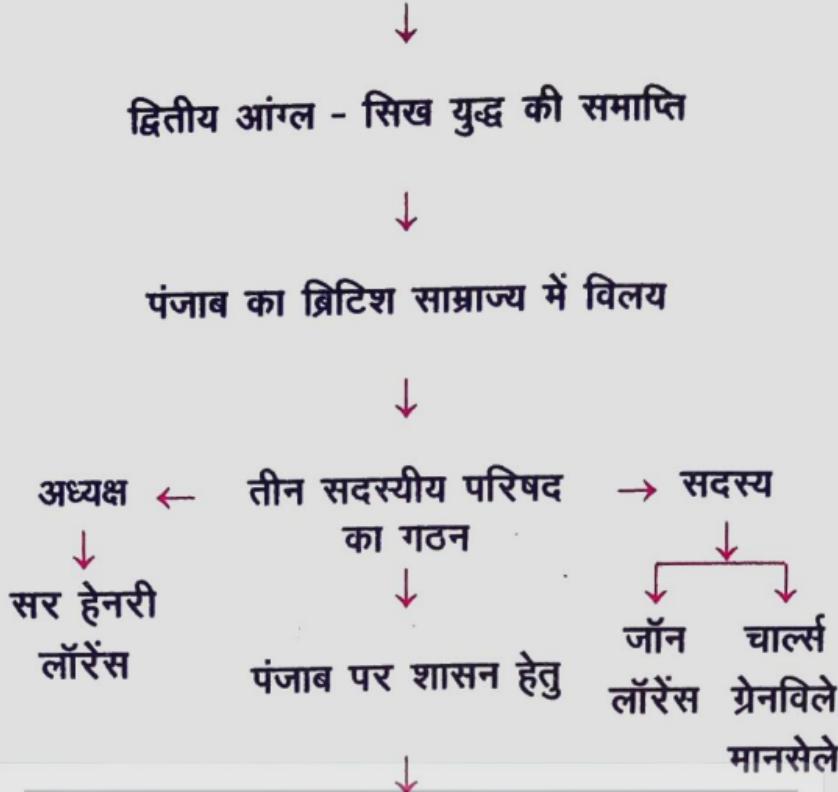
(दोनों पर अधिकार)

चिलियांवाला युद्ध

- आरंभ तिथि → 13 जनवरी, 1849
- लॉर्ड गफ → अंग्रेजी सेना का नेतृत्व
- शेरसिंह → सिख सेना का नेतृत्व
- परिणाम → अनिर्णीत
- तत्कालीन गवर्नर जनरल → लॉर्ड डलहौजी

ਪੰਜਾਬ

1849 ई



मैसूर

प्रथम आंग्ल-मैसूर युद्ध

- समयावधि → 1767-69 ई. में
 - हैदर अली बनाम अंग्रेज
 - विजेता → हैदर अली
 - तत्कालीन अंग्रेज गवर्नर → वेरेल्स्ट
 - युद्ध समाप्ति → मद्रास की संधि द्वारा 4 अप्रैल, 1769 को

द्वितीय आंगल-मैसूर युद्ध

- समयावधि - 1780-84 ई.

घटनाक्रम

- हैदर अली - जुलाई, 1780
 - कर्नाटक पर आक्रमण
 - कर्नल बेली के नेतृत्व वाली अंग्रेजी सेना को हराकर अर्काट पर अधिकार
- टीपू
 - पोल्लीलुर → हेक्टर मुनरो की सेना परास्त
- 1781 ई.
 - हैदर अली बनाम आयरकूट
 - पोर्टो नोवो
 - पोल्लीलुर → आयरकूट ने हैदर को हराया
 - शोलिंगुर
- दिसंबर, 1782 → हैदर अली की मृत्यु
- 1784 ई.
 - मंगलौर की संधि (टीपू तथा अंग्रेजों के मध्य)
 - द्वितीय आंगल-मैसूर युद्ध का समापन

तृतीय आंगल - मैसूर युद्ध

- समयावधि (1790-92 ई.)
- कॉर्नवालिस, मराठा, निजाम बनाम टीपू
- श्रीरंगपट्टनम की संधि → युद्ध समाप्त
 - टीपू का आधा राज्य - अंग्रेजों तथा उनके साथियों को प्राप्त
 - टीपू से 3 करोड़ रुपया - युद्ध क्षति के रूप में वसूली

श्रीरंगपट्टनम

की संधि

- मार्च, 1792 ई.

➤ टीपू सुल्तान तथा कॉर्नवालिस के मध्य

➤ परिणाम → तृतीय आंगल - मैसूर युद्ध

(1790-92 ई.)

का समापन

चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध

- 1799 ई.
- टीपू की मृत्यु
- अंग्रेजी सेना का नेतृत्व → वेलेजली स्टुअर्ट

महत्वपूर्ण तथ्य

- टीपू सुल्तान ने श्रीरंगपट्टनम को अपनी राजधानी बनाया तथा यहाँ पर जैकोबिन कलब की स्थापना किया।
- मैसूर विजय की खुशी में आयरलैंड के लॉर्ड समाज द्वारा वेलेजली को प्रदत्त उपाधि थी - मार्किंस
- चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध के बाद अंग्रेजों ने मैसूर की गद्दी पर पुनः अड्यार वंश के एक बालक कृष्णराज को बिठा दिया तथा कनारा, कोयंबटूर और श्रीरंगपट्टनम को अंग्रेजी राज्य में मिला लिया।

गवर्नर / गवर्नर जनरल / वायसराय

1740-65 ई.

कंपनी का भारतीय
रियासतों से समानता
के लिए संघर्ष

1935-1947 ई.
बराबर के संघ
की नीति

1765-1813 ई.
सुरक्षा प्रकोष्ठ
नीति/धरे
की नीति

रियासतों
के प्रति प्रमुख
ब्रिटिश नीतियां

1858-1935 ई.
अधीनस्थ संघ
की नीति

1813-1857 ई.
अधीनस्थ पार्थक्य
की नीति

वॉरेन हेस्टिंग्स

- घोषणा - बंगाल में द्वैध शासन के समाप्ति की
- स्थानांतरण - राजकीय कोषागार का
(मुर्शिदाबाद से कलकत्ता)
- विचार - समस्त भूमि शासक की
- परीक्षण और अशुद्धि - राजस्व सुधारों के लिए
- 1774 ई.
● बंगाल का प्रथम गवर्नर जनरल नियुक्त
- महाभियोग के मुकदमे का सामना



लॉर्ड विलियम बैंटिक

- कार्यभार - जुलाई, 1828 ई. में
- सती प्रथा, बालिका शिशु वध को समाप्त करने के लिए प्रयत्न
- ठगी का अंत
- भारतीय रियासतों के प्रति यथासंभव तटस्थिता की नीति
- 1833 ई. - भारत का प्रथम गवर्नर जनरल नियुक्त
- ठगों के विरुद्ध कार्यवाही - कैप्टन स्लीमैन की नियुक्ति

1831 ई. - मैसूर का

- ↑
➤ अंग्रेजी साम्राज्य में विलय

1834 ई. - कुर्ग तथा कछार का

- अफीम के व्यापार को नियमित तथा अनुपत्रित करके - केवल बंबई बंदरगाह से ही निर्यात
- निजाम नासिरुद्दौला के कहने पर हैदराबाद से अंग्रेज अधिकारी को वापस बुलाया

लॉर्ड कॉर्नवालिस

- कानून की विशिष्टता का नियम → भारत में लागू
- कॉर्नवालिस संहिता प्रस्तुत
- शक्तियों के पृथक्करण पर आधारित
 - कर, न्याय प्रशासन → पृथक
- भारत की प्रसंविदाबद्ध सिविल सेवा का प्रारंभ
- मृत्यु ● 5 अक्टूबर, 1805 को
- गाजीपुर में (कब्र भी यहाँ पर)

लॉर्ड डलहौजी

➤ कार्यकाल - 1848-56 ई.

➤ अवध का विलय

(वाजिद अली शाह पर कुशासन का आरोप)

- भारत में रेल निर्माण की दिशा में प्रथम प्रयास
- भारत में प्रथम रेलवे लाइन 1853 ई. में बंबई से थाणे
- एक अलग सार्वजनिक निर्माण विभाग की स्थापना
 - व्यपगत सिद्धांत के तहत विलय
 - सतारा (1848 ई.),
 - जैतपुर एवं संभलपुर (1849 ई.)
 - बघाट (1850 ई.), ● उदयपुर (1852 ई.)
 - झांसी (1853 ई.), ● नागपुर (1854 ई.)
- करौली (1855 ई.) का व्यपगत प्रस्ताव → कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा अस्वीकृत

➤ भारत में विद्युत तार का प्रारंभकर्ता

- 1852 ई. → ओ. शैघनेसी (विद्युत तार विभाग का अधीक्षक)

➤ 1857 ई. के विद्रोही का मृत्युपूर्व कथन

- इस तार ने हमारा गला घोंट दिया

➤ अवध का विलय

● 1854 ई. → स्लीमैन के स्थान पर जेम्स आउट्रम - अवध का ब्रिटिश रेजीडेंट नियुक्त

➤ आउट्रम → इसी के रिपोर्ट को अवध के अधिग्रहण का आधार बनाया गया

➤ 13 फरवरी, 1856 → अवध का विलय

लॉर्ड कैनिंग

- ब्रिटिश भारत का प्रथम वायसराय
- 1856 ई. - विधवा पुनर्विवाह अधिनियम पारित
- 1 नवंबर, 1858
 - महारानी की उद्घोषणा → इलाहाबाद में लॉर्ड कैनिंग द्वारा उद्घोषित
 - ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन की समाप्ति
 - भारत के शासन को सीधे ब्रिटिश शाही ताज के अंतर्गत लाए जाने की घोषणा

लॉर्ड एलेनबरो

- कार्यकाल → 1842-44 ई.
- दास प्रथा का उन्मूलन (1843 ई.)
- सिंध का पूर्ण रूप से ब्रिटिश साम्राज्य में विलय (1843 ई.)

लॉर्ड मेयो (1869-72 ई.)

- प्रथम जनगणना → 1872 ई. में प्रारंभ
- अंडमान निकोबार में हत्या
- प्रथम वायसराय → कार्यकाल के दौरान हत्या
- शेर अली अफरीदी द्वारा हत्या

परीक्षोपयोगी दृष्टि

- आधुनिक भारत में स्थानीय शासन का जनक है
- लॉर्ड रिपन
- 1861 ई. में प्रथम पुरातात्त्विक सर्वेक्षक नियुक्त हुए
- एलेक्जेंडर कनिंघम
- कर्जन के प्रशासन की तुलना औरंगजेब से किए थे
- गोपाल कृष्ण गोखले
- भारत की राजधानी कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित हुई
- वायसराय लॉर्ड हार्डिंग के समय
- 1871 ई. में पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग बनाया गया
- मेयो के समय
- तृतीय दिल्ली दरबार का परिणाम था
- बंगाल का विभाजन रद्द
- अर्गिल के सुझाव पर स्थापित विभाग - पुरातत्व विभाग

गतिविधि

- चूक का सिद्धांत /
हड्डप नीति
- डलहौजी
- बंगाल का विभाजन
- लॉर्ड कर्जन
- बंगाल में दोहरा शासन
- वलाइव
- सामाजिक सुधार
- बैंटिक

गवर्नर/गवर्नर जनरल/वायसराय

भू-राजस्व व्यवस्था

स्थायी बंदोबस्तु प्रणाली

- प्रारंभकर्ता → लॉर्ड कॉर्नवलिस (1793 ई.)
- अन्य नाम → इस्तमरारी, जागीरदारी, मालगुजारी, बीसवेदारी
- क्षेत्र
 - बंगाल, बिहार, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश के वाराणसी तक के क्षेत्र में लागू
 - ब्रिटिश भारत के लगभग 19 प्रतिशत भू-क्षेत्र पर लागू
- प्रावधान
 - जमींदारों का एक नया वर्ग भू-स्वामी घोषित
 - भूमि के लगान का $\frac{10}{11}$ भाग कंपनी को देय तथा $\frac{1}{11}$ भाग जमींदारों के पास

रैयतवाड़ी व्यवस्था

- जन्मदाता → टॉमस मुनरो और कैप्टन रीड
- क्षेत्र
 - सर्वप्रथम तमिलनाडु के बारामहल जिले में लागू
 - मद्रास, बंबई के कुछ हिस्से, पूर्वी बंगाल, असम तथा कुर्ग में लागू
 - ब्रिटिश भारत के 51 प्रतिशत भू-क्षेत्र पर लागू
- रैयत के लिए प्रावधान
 - भूमि के मालिकाना और कब्जादारी अधिकार प्रदत्त
 - कृषक भू-स्वामित्व की स्थापना
 - उच्च लगान दर

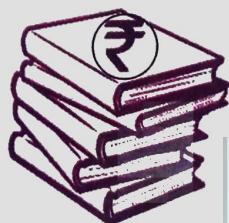
महालवाड़ी पद्धति

- प्रत्येक ग्राम अथवा महाल (जागीर का एक भाग) के साथ स्थापित
- ग्राम समाज ही सम्मिलित भूमि तथा अन्य भूमि का स्वामी
- उत्तर प्रदेश, मध्य प्रांत तथा पंजाब में (कुछ परिवर्तनों के साथ) लागू
- ब्रिटिश भारत के 30 प्रतिशत भू-क्षेत्र पर लागू

धन का बहिर्गमन सिद्धांत

अवधारणा

भारतीय धन - संपत्ति एवं
माल का अविरल प्रवाह
इंग्लैंड की ओर
लेकिन बदले में भारत को
पर्याप्त आर्थिक, व्यापारिक
अथवा भौतिक लाभ
का अभाव।



धन का बहिर्गमन (Drain of Wealth)



इस सिद्धांत के
सबसे पहले
और सर्वाधिक
प्रखर प्रतिपादक

प्रतिपादक

► दादाभाई नौरोजी -

सर्वप्रथम प्रतिपादक

● 'इंग्लैंड डेव टू इंडिया'

में पहली बार धन के बहिर्गमन

सिद्धांत का प्रतिपादन

● 'पावर्टी एंड अन-ब्रिटिश रूल

इन इंडिया',

'द वांट्स एंड मीस ऑफ इंडिया',

'ऑन द कॉमर्स ऑफ इंडिया'

लेख में इसकी व्याख्या

● वर्ष 1905 में इसे 'Evil of

all Evils' अर्थात् अनिष्टों

का अनिष्ट कहा।

स्वरूप

► सरकार की खरीद नीति,

होम चार्जेस अर्थात्

भारतीय सार्वजिक ऋण एवं रेलों पर

लगाई गई पूँजी पर दिया गया व्याज,

भारत को दी गई सैनिक और

अन्य सामग्री की लागत,

भारत के कारण इंग्लैंड में दिए

जाने वाले नागरिक और

सैनिक शुल्क, इंग्लैंड में

राज्य सचिव का सारा व्यय

(वर्ष 1919 तक) तथा

भारत सरकार द्वारा यूरोपीय

अफसरों को दिए जाने वाले

भत्ते और पेंशन।

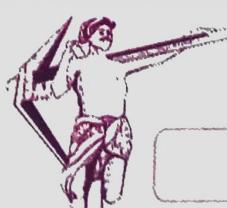
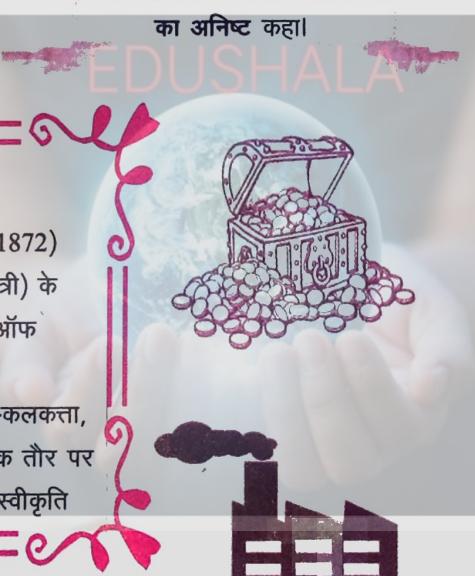


अन्य प्रतिपादक

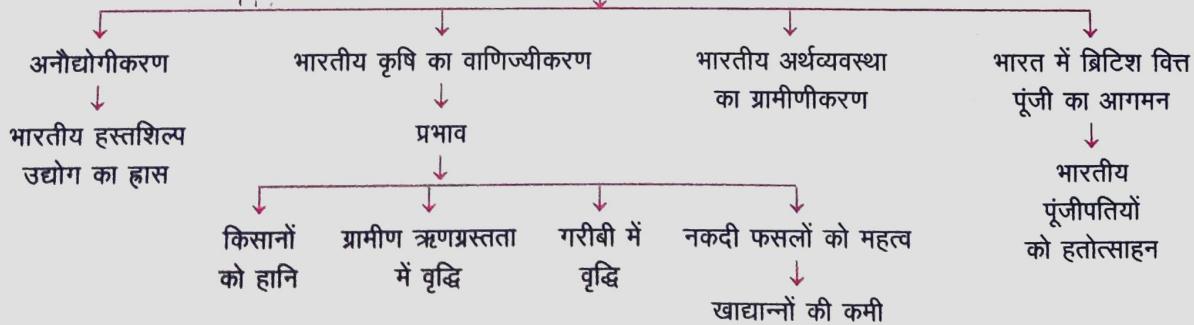
► महादेव गोविंद रानाडे (1872)

► रमेश चंद्र दत्त (अर्थशास्त्री) के
लेख 'इकोनॉमिक हिस्ट्री ऑफ
इंडिया' में उल्लेख।

नोट : भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस-कलकत्ता,
अधिवेशन (1896) में आधिकारिक तौर पर
धन के बहिर्गमन सिद्धांत को स्वीकृति



भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव



1857 की क्रांति

चर्चा वाले कारतूस

- 1857 ई. (बैरकपुर) → सैनिकों द्वारा चर्चा वाले कारतूसों का प्रयोग करने से इंकार
- मंगल पांडेय → एजुडेंट पर हमला कर उसकी हत्या

कारण

- राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक कारण
- प्रमुख कारण
 - ब्रिटिश साम्राज्य की धिनौनी नीतियाँ
- तात्कालिक कारण
 - चर्चा वाले कारतूस की अफवाह

घटनाक्रम

- सर जेम्स आउट्रम, डब्ल्यू. टेलर → हिंदू-मुस्लिम षड्यंत्र का परिणाम
- जॉन लॉरेंस, सीले → केवल सैनिक विद्रोह
- टी.आर. होम्स → बर्बरता और सभ्यता के मध्य युद्ध
- वी.डी. सावरकर → स्वतंत्रता की पहली लड़ाई
- आर.सी. मजूमदार → तथाकथित प्रथम राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम न प्रथम, न राष्ट्रीय और न ही स्वतंत्रता संग्राम

नेतृत्व

- 10 मई को मेरठ से प्रारंभ
- 12 मई, 1857 → विद्रोहियों का दिल्ली पर अधिकार
- स्वाधीनता संग्राम का प्रतीक → कमल और रोटी

कथन

स्थान	नेतृत्वकर्ता
बरेली	→ खान बहादुर
झांसी	→ रानी लक्ष्मीबाई
लखनऊ	→ बेगम हजरत महल
कानपुर	→ नाना साहब (नाना धोंदो पंत)
जगदीशपुर	→ कुंवर सिंह
असम	→ दीवान मनिराम दत्त
फैजाबाद	→ मौलवी अहमदुल्लाह शाह

पुस्तक

- | लेखक | पुस्तक |
|------------------|---|
| वी.डी. सावरकर | → द इंडियन वार ऑफ इंडिपेंडेंस 1857 |
| एस.एन. सेन | → एट्रीन फिफ्टी सेवन |
| सर सैयद अहमद खां | → असबाब-ए-बगावत -ए-हिंद |
| आर.सी. मजूमदार | → द सिपाय म्यूटिनी एंड द रिबेलियन ऑफ 1857 |

अंग्रेज

- गवालियर के सिंधिया
- इंदौर के होल्कर
- हैदराबाद के निजाम
- जोधपुर के राजा
- भोपाल के नवाब
- पटियाला, नाभा और जींद के सिख शासक
- कश्मीर के महाराजा

परिणाम (घोषणा)

- भारत में कंपनी के शासन का समाप्त
- भारत का शासन सीधे क्राउन के अधीन
- भारत में ब्रिटिश साम्राज्य के विस्तार पर रोक
- धार्मिक मामलों में अहस्तक्षेप की नीति
- सबके लिए एकसमान कानूनी सुरक्षा

अन्य जन आंदोलन

संथाल विद्रोह (1855-56 ई.)

- आदिवासी विद्रोह
- दामन-ए-कोह में मूलतः आर्थिक कारणों से प्रारंभ
- नेतृत्व → सिद्धू, कान्हू, चांद एवं भैरव नामक 4 भाई
- 1855 ई. → संथालों द्वारा भागलपुर क्षेत्र में विद्रोह
- बेजर बारो के नेतृत्व में विद्रोह को दबाने गई सेना संथालों द्वारा पराजित

पागल पंथ

- एक अर्द्ध-धार्मिक संप्रदाय
- करमशाह द्वारा प्रारंभ
- जमीदारों के द्वारा मुजारों (Tenants) पर किए गए अत्याचार के विरुद्ध आंदोलन → टीपू द्वारा

मुंडा विद्रोह (1899-1900 ई.)

- अन्य नाम → उलगुलान / महान हलचल
- समयावधि → 1899-1900 ई. के मध्य
- विरसा मुंडा
 - जगत पिता / धरती आबा (अन्य नाम)
 - बोंगा (अनेक देवता) की पूजा छोड़कर सिंग बोंगा (एक ईश्वर) की पूजा करने का आह्वान



वहाबी आंदोलन

- उपलब्धि → अंग्रेजी प्रभुसत्ता को सुनियोजित तथा गंभीर चुनौती
- प्रवर्तक → सैयद अहमद बरेलवी (भारत में)
- प्रसार-क्षेत्र → काबुल, उत्तर-पश्चिमी सीमा प्रांत, बंगाल, बिहार, मध्य प्रांत
- 1830 ई. → बरेलवी द्वारा पेशावर पर कब्जा
- बालाकोट की लड़ाई → बरेलवी की मृत्यु
- पटना → बरेलवी की मृत्यु के बाद आंदोलन का केंद्र बरेलवी की मृत्यु के बाद नेतृत्वकर्ता → मौलवी कासिम, विलायत अली, इनायत अली, अहमदुल्ला

कूका आंदोलन

- प्रारंभ वर्ष → 1840 ई.
- भगत जवाहरमल (सियान साहब) द्वारा
- उद्देश्य → सिख धर्म में प्रचलित बुराइयों और अंधविश्वासों का अंत कर इस धर्म को शुद्ध करना

नील विद्रोह

- समयावधि → 1859-60 ई.
- प्रारंभ → बंगाल के नदिया जिले के गोविंदपुर गांव से
- नेतृत्वकर्ता → दिगंबर विश्वास तथा विष्णु विश्वास
- प्रसार-क्षेत्र → नदिया, पाबना, खुलना, ढाका, मालदा, दीनाजपुर
- समर्थन → हिंदू पैदियाट के संपादक हरिश्चंद्र मुखर्जी द्वारा
- नील बागान मालिकों के अत्याचारों का चित्रण → दीनबंधु मित्र द्वारा नील दर्पण में

आधुनिक भारत में शिक्षा का विकास

अंग्रेजों द्वारा स्थापित प्रथम मदरसा

- 1781 ई. → वॉरेन हेस्टिंग्स द्वारा कलकत्ता में स्थापित
- प्रथम प्रमुख → मौलवी मुइजुद्दीन
- फारसी, अरबी और मुस्लिम कानून की शिक्षा संस्कृत कॉलेज की स्थापना (बनारस)
- 1791 ई. → जोनाथन डंकन के प्रयत्नों के परिणामस्वरूप
- उद्देश्य → हिंदुओं के धर्म, साहित्य और कानून का अध्ययन
- चार्ल्स विलिंसन
- भगवद्गीता का प्रथम अंग्रेज अनुवाद प्रस्तावना → वॉरेन हेस्टिंग्स द्वारा लिखित

सर विलियम जॉन्स

- अभिज्ञानशाकुन्तलम के अंग्रेजी अनुवादक बुड डिस्पेच या बुड घोषणा-पत्र
- 1854 ई. → चार्ल्स बुड द्वारा जारी
- मैग्नाकार्टा → भारत में अंग्रेजी शिक्षा का आधार - लंदन विश्वविद्यालय के आधार पर कलकत्ता, बंबई एवं मद्रास प्रेसीडेंसी में एक-एक विश्वविद्यालय की स्थापना की व्यवस्था हंटर आयोग / कमीशन
- 1854 ई. के पश्चात शिक्षा के क्षेत्र में हुई प्रगति की समीक्षा करने के लिए 1882 ई. में नियुक्त
- प्राथमिक शिक्षा के सुधार एवं विकास पर विशेष जोर

आधुनिक भारत में प्रेस का विकास

सैडलर आयोग

- वर्ष 1917 → कलकत्ता विश्वविद्यालय की संभावनाओं के अध्ययन तथा रिपोर्ट के लिए नियुक्त
- विचार → विश्वविद्यालयी शिक्षा का सुधार करना है, तो माध्यमिक शिक्षा का सुधार आवश्यक

परीक्षोपयोगी दृष्टि

- 1784 ई. में एशियाटिक सोसाइटी ऑफ़ बंगाल की स्थापना हुई - सर विलियम जॉन्स द्वारा
- राष्ट्रीय शिक्षा परिषद की स्थापना की गई - 15 अगस्त, 1906 को
- बंबई में प्रथम महिला विश्वविद्यालय की स्थापना हुई - डी.के. कर्वे के प्रयत्नों से
- कलकत्ता में प्रसिद्ध हिंदू कॉलेज की स्थापना की गई - राजा राममोहन राय, डेविड हेयर एवं एलेक्झेंडर डफ़ द्वारा
- वर्ष 1916 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना की गई - मदन मोहन मालवीय द्वारा
- 1896 ई. में पूना में विधवा-गृह की स्थापना की - डी.के. कर्वे ने

परीक्षोपयोगी दृष्टि

- इंडियन ओपीनियन
 - महात्मा गांधी द्वारा प्रारंभ पत्रिका
 - दक्षिण अफ्रीका से प्रारंभ (1903 में)
 - प्रथम संपादक → मनसुखलाल नज़र
 - गुजराती, हिंदी, तमिल और अंग्रेजी में प्रकाशन
- दि इंडियन नेशन → कामेश्वर सिंह (संस्थापक)
- रामकृष्ण पिल्लै ● जन्म → 1878 ई.
 - स्वदेशवाहिनी के संपादक
- गांधी जी के साप्ताहिक समाचार-पत्र
 - हरिजन (अंग्रेजी)
 - हरिजन बंधु (गुजराती)
 - हरिजन सेवक (हिंदी)

- बंगाल गजट → भारत का पहला प्रकाशित समाचार-पत्र

- जे.ए. हिक्की
 - 1780 ई. → बंगाल गजट का प्रकाशन
- लॉर्ड वेलेजली
 - 1799 ई. → सभी समाचार-पत्रों पर सेंसर पत्रेक्षण अधिनियम पारित
- लॉर्ड हेस्टिंग्स
 - 1818 ई. → पत्रेक्षण अधिनियम रद्द
- लॉर्ड लिटन → वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट के समय पारित (1878 ई.)
- लॉर्ड रिपन → वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट रद्द 1882 ई.
- बाल गंगाधर तिलक
 - पत्रकारिता के लिए ब्रिटिश सरकार से सजा पाने वाले पहले भारतीय
- फ्री हिंदुस्तान → तारकनाथ दास का अखबार
- राममोहन राय → संवाद कौमुदी / प्रज्ञा का चांद (बांगला), मिरातुल अखबार (फारसी में प्रकाशन)
- इंडियन मिरर (अखबार)
 - देवेंद्रनाथ टैगोर तथा मनमोहन घोष (संस्थापक)
- गदर
 - गदर पार्टी का मुख्यपत्र
 - साप्ताहिक-पत्र
 - प्रथम संस्करण का प्रकाशन → 1 नवंबर, 1913 को सैनक्रांसिस्को से (उर्दू भाषा में)
 - 9 दिसंबर, 1913 गुरुमुखी में भी प्रकाशन
 - मराठी, हिंदी, अंग्रेजी एवं गुजराती में भी प्रकाशन, एक अंक पख्तूनी भाषा में भी
- अमृत बाजार पत्रिका
 - शिशिर कुमार घोष (संस्थापक)

- इंडिपेंडेंट → मोतीलाल नेहरू द्वारा प्रारंभ समाचार-पत्र

- बहिष्कृत भारत ● भीमराव अंबेडकर द्वारा प्रारंभ मराठी पाक्षिक

- हिंदू पैट्रियाट
 - प्रथम संपादक (1853-55 ई.)

↓
पिरीशचंद्र घोष

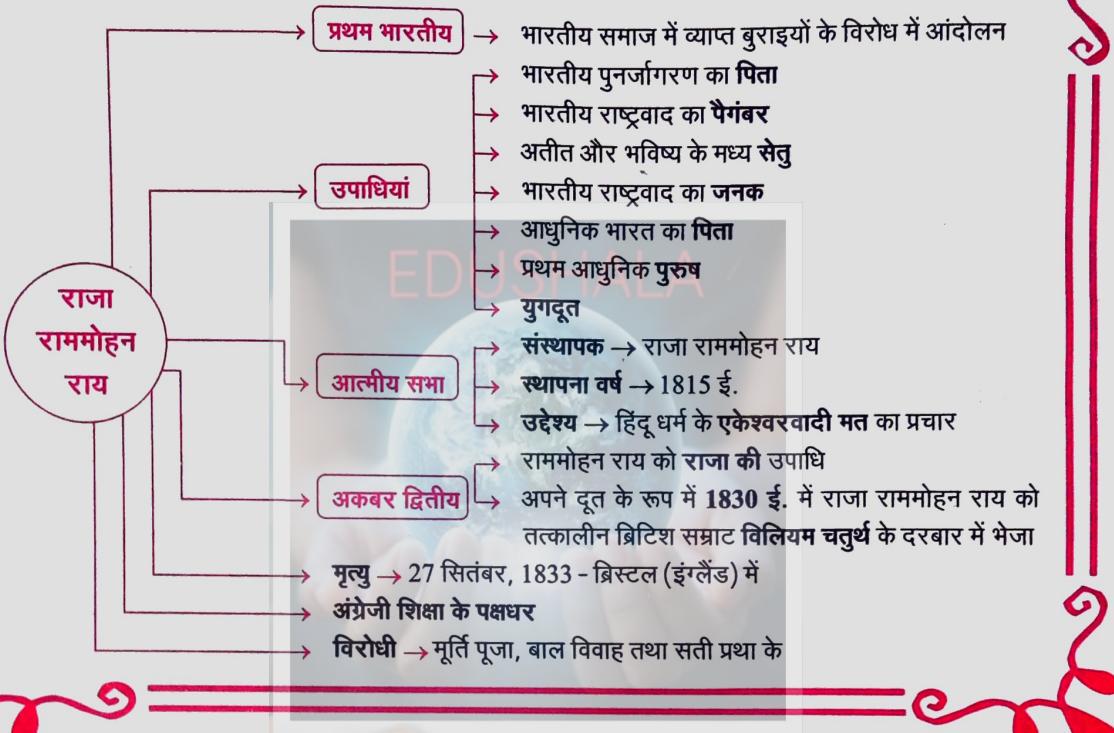
- 1855 ई. में संपादक → हरिश्चंद्र मुखर्जी

- सोम प्रकाश (बांगला साप्ताहिक) समाचार-पत्र
 - ईश्वरचंद्र विद्यासागर द्वारा प्रकाशन
 - नील आंदोलन के किसानों के हितों का समर्थन

परीक्षा दृष्टि

- अल-हिलाल (उर्दू साप्ताहिक) → अबुल कलाम आज़ाद द्वारा प्रकाशन
- लाला लाजपत राय
 - वंदे मातरम् (उर्दू दैनिक) का प्रकाशन
 - दि पीपुल (अंग्रेजी साप्ताहिक) का प्रकाशन
- कौमी आवाज (उर्दू अखबार) का प्रकाशन
 - जवाहरलाल नेहरू एवं रफी अहमद किंदवर्झ द्वारा
 - रास्त गोपत्तार → दादाभाई नौरोजी से संबद्ध पत्र
- कॉमनवील → एनी बेसेंट द्वारा संपादित अंग्रेजी पत्र

सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलन



प्रथम गुट → पाश्चात्य शिक्षा के समर्थक → लाला लाजपत राय, हंसराज → दयानंद एंगलो वैदिक कॉलेज की स्थापना

↑
आर्य समाज का विभाजन

→ (1892-93 ई.)

(प्रमुख व्यक्ति)

(प्रमुख व्यक्ति)

द्वितीय गुट → पाश्चात्य शिक्षा के विरोधी → स्वामी अद्वानंद, लेखराज, मुशीराम → गुरुकुल की स्थापना (वर्ष 1902)

प्रार्थना समाज

- | | |
|---|--|
| <p>स्थापना</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ 1867 ई. (बंबई) ➤ आत्माराम पांडुरंग (संस्थापक) ➤ प्रेरणा - केशवचंद्र सेन से | <p>प्रमुख उद्देश्य</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ जाति प्रथा का विरोध ➤ स्त्री-पुरुष के विवाह की आयु में वृद्धि ➤ विधवा विवाह एवं स्त्री शिक्षा को प्रोत्साहन |
|---|--|

परीक्षोपयोगी दृष्टि

संस्था

- देव समाज - शिवनारायण अग्निहोत्री
- सत्यशोधक समाज - ज्योतिबा फुले
- धर्म सभा - राधाकांत देव
- राधास्वामी सत्संग - तुलसीराम/शिवदयाल आंदोलन साहब/स्वामी जी महाराज
- रामकृष्ण मिशन - स्वामी विवेकानन्द
- तत्त्वबोधिनी सभा - देवेंद्रनाथ टैगोर
- बहुजन समाज - मुकुंदराव पाटिल, शंकरराव जाधव
- विडो रिमैरिज एसोसिएशन - विष्णु परशुराम शास्त्री पंडित

संस्थापक/सदस्य

वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट

- लॉर्ड लिटन के काल में पारित
- अन्य नाम ● देशी भाषा प्रेस अधिनियम, 1878 (मुह बंद करने वाला अधिनियम)
- प्रमुख कथन
- अर्सकिन पेरी → विपरितगामी और असंगत
- एस.एन. बनर्जी → आकाश से वज्रपात

कांग्रेस से पूर्व स्थापित राजनीतिक संस्थाएं

बंगाली प्रकाशिका सभा

- राजा रामगोहन राय के सहयोगियों द्वारा 1836 ई. में स्थापित
- लैंड होल्डर्स सोसाइटी
- अन्य नाम → जमींदारी एसोसिएशन
- स्थापना वर्ष → 1838 ई. (कलकत्ता)
- उद्देश्य → जमींदारों के स्वार्थों की रक्षा करना
- संस्थापक - द्वारकानाथ टैगोर
 - पूना सार्वजनिक सभा
- स्थापना वर्ष → 1870 ई.
- संस्थापक → एम. जी. रानाडे
 - जी. वी. जोशी
 - इंडियन एसोसिएशन
- अन्य नाम → भारत संघ
- स्थापना → 26 जुलाई, 1876 (कलकत्ता में)

- संस्थापक → सुरेंद्र नाथ बनर्जी (आनंद मोहन बोस के सहयोग से)

ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन

- स्थापना → अक्टूबर, 1851 (कलकत्ता)
- संस्थापक सदस्य → राधाकांत देव (अध्यक्ष), हरिशंद्र मुखर्जी, देवेंद्रनाथ टैगोर, राजेंद्रलाल मित्र आदि
- सेंट्रल मोहम्मडन नेशनल एसोसिएशन
- स्थापना वर्ष → 1877 ई., कलकत्ता
- संस्थापक - सैयद अमीर अली
- बंबई प्रेसीडेंसी एसोसिएशन
- स्थापना वर्ष - 1885 ई.

संस्थापक

- फिरोजशाह मेहता
- के.टी. तेलंग
- बदरुद्दीन तैयब जी

बंबई
के
त्रिमूर्ति

नेटिव मैरिज एक्ट

- 1872 ई. में पारित
- केशवचंद्र सेन के प्रयास से
- विवाह हेतु प्रावधान
- लड़कों की न्यूनतम आयु → 18 वर्ष
- लड़कियों न्यूनतम की → 14 वर्ष
- अन्य नाम - ब्रह्म विवाह अधिनियम

➤ 1856 ई. → हिंदू विवाह पुनर्विवाह अधिनियम पारित

भारतीय राष्ट्रीय कंग्रेस

भारतीय राष्ट्रीय कंग्रेस

- स्थापना
 - ए. ओ. ह्यूम द्वारा
 - 1885ई. (तत्कालीन वायसराय → लॉर्ड डफरिन)
 - तिथि → 28 दिसंबर, 1885
 - स्थान → गोकुलदास तेजपाल संस्कृत विद्यालय (बंबई)
 - अध्यक्ष → व्योमेश चन्द्र बनर्जी
 - प्रथम महासचिव → ए.ओ. ह्यूम
 - 72 प्रतिनिधियों ने भाग लिया
- प्रथम अधिवेशन
- द्वितीय अधिवेशन
- तृतीय अधिवेशन
- जॉर्ज यूले
- कलकत्ता अधिवेशन
 - एनी बेसेंट
 - महात्मा गांधी
 - सरोजिनी नायडू
 - कराची अधिवेशन
 - हरिपुरा अधिवेशन
 - जे.बी. कृपलानी
- अध्यक्ष
 - ए. ओ. ह्यूम द्वारा
 - 1885ई. (तत्कालीन वायसराय → लॉर्ड डफरिन)
 - तिथि → 28 दिसंबर, 1885
 - स्थान → गोकुलदास तेजपाल संस्कृत विद्यालय (बंबई)
 - अध्यक्ष → व्योमेश चन्द्र बनर्जी
 - प्रथम महासचिव → ए.ओ. ह्यूम
 - 72 प्रतिनिधियों ने भाग लिया
 - 1886ई. → कलकत्ता में आयोजन
 - अध्यक्ष → दादाभाई नौरोजी
 - 1887ई. → मद्रास में आयोजन
 - अध्यक्ष - बद्रुद्दीन तैयब जी - प्रथम मुस्लिम अध्यक्ष (कंग्रेस)
 - भारतीय राष्ट्रीय कंग्रेस का प्रथम निर्वाचित यूरोपीय अध्यक्ष
 - 1911 में आयोजित
 - जन-गण-मन → प्रथम गायन (कंग्रेस अधिवेशन में)
 - अध्यक्ष - विश्वनाथ नारायण धर
 - भारतीय राष्ट्रीय कंग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष
 - 1924 - बेलगांव अधिवेशन की अध्यक्षता
 - प्रथम भारतीय महिला अध्यक्ष → 1925 - कानपुर
 - 1931 में आयोजित
 - अध्यक्ष - वल्लभभाई पटेल
 - अध्यक्ष - सुभाष चन्द्र बोस
 - भारत की स्वतंत्रता के समय भारतीय राष्ट्रीय कंग्रेस के अध्यक्ष

महत्वपूर्ण तथ्य

- > बाल गंगाधर तिलक को भारत में अशांति का जन्मदाता कहा था - सर वैलेंटाइन शिरोले ने
- > देश में पहली राजनीतिक हड्डताल की गई थी - बंबई के कपड़ा मिल मजदूरों द्वारा
- > गीता रहस्य पुस्तक के लेखक हैं - बाल गंगाधर तिलक
- > लाला लाजपत राय के राजनीतिक गुरु थे - मैजिनी
- > शेर-ए-पंजाब कहा जाता है - लाला लाजपत राय को
- > कंग्रेस का नरमदल और गरमदल में बंटवारा हुआ - 1907 सूरत अधिवेशन में
- > 1907 में कंग्रेस के सूरत अधिवेशन के अध्यक्ष थे - रासबिहारी घोष

गरमपंथी नेता

बाल गंगाधर तिलक
लाला लाजपत राय
विपिनचंद्र पाल
अरबिद घोष

नरमपंथी नेता

दादाभाई नौरोजी
फिरोजशाह मेहता
दिनशा वाचा
व्योमेश चन्द्र बनर्जी
सुरेन्द्रनाथ बनर्जी

विभिन्न क्रांतिकारी गतिविधियाँ

अभिनव भारत

- 1899 ई. में स्थापित मित्र मेला
(संस्थापक → वी.डी. सावरकर)
का ही परिवर्तित रूप
- 1904 में गुप्त सभा का रूप
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ
- स्थापना - 27 सितंबर, 1925
- संस्थापक - केशव बलिराम हेडगेवार
- मुख्यालय → नागपुर (महाराष्ट्र)
- जतींद्रनाथ मुखर्जी**
- बंगाल के क्रांतिकारी

- संबद्ध संगठन
 - युगांतर
 - अनुशीलन समिति
 - गदर पार्टी
- अन्य नाम → बाघा जतिन

हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन

- स्थापना → अक्टूबर, 1924
- स्थान → कानपुर
- संस्थापक → शचींद्र सान्याल
(अध्यक्ष), रामप्रसाद बिस्मिल, जोगेश चंद्र
चटर्जी तथा चंद्रशेखर आजाद

काकोरी कांड (9 अगस्त, 1925)

- स्थान - काकोरी
- आठ डाउन सहारनपुर - लखनऊ
ऐसेंजर ट्रेन में सरकारी खजाना लूटा
- 29 क्रांतिकारी गिरफ्तार
- चंद्रशेखर आजाद - फरार
- क्रांतिकारी फांसी स्थल
- राम प्रसाद बिस्मिल → गोरखपुर
- अशफाक उल्लाह → फैजाबाद
- रोशन लाल → इलाहाबाद
- राजेंद्र लाहिड़ी → गोंडा

हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन

एसोसिएशन

- स्थापना वर्ष → 1928
- स्थान → दिल्ली
- स्थापना → चंद्रशेखर आजाद के
नेतृत्व में

- दिसंबर
- 8 अप्रैल
- विधानसभा
- बाद में
- 23 मार्च
- अंतिम चरण
- फिल्म
- इकलाल
- पहली

इंडियन

- जेल में
- लिए भूमि
- अपनी
- सिद्धांत
- फारवर्ड
- दिसंबर
- मारने वाला

भारत र

- फरवरी
- द इंडियन
- इंडिया टाइम्स
- स्थापना
- उद्देश्य
- मुख्यालय

भगत सिंह

- दिसंबर, 1928 → सांडर्स की हत्या
- 8 अप्रैल, 1929 → बटुकेश्वर दत्त के साथ केंद्रीय विधानसभा में बम फेंका
- बाद में लाहौर षड्यंत्र कांड के अंतर्गत मुकदमा
- 23 मार्च, 1931 → फांसी
- अंतिम संस्कार
 - फिरोजपुर जिले में सतलज नदी के तट पर
- इंकलाब जिंदाबाद
 - पहली बार नारे के रूप में प्रयोगकर्ता

परीक्षोपयोगी दृष्टि

- इंडियन रिपब्लिकन आर्मी की स्थापना की थी - सूर्यसेन ने
- जेल में राजनीतिक बंदी का दर्जा प्राप्त करने के लिए भूख हड़ताल (64 दिन तक) की थी - जतिनदास ने
- अपनी पुस्तक वंदे मातरम् में निष्क्रिय विरोध के सिद्धांत का प्रतिपादन किया था - अरबिंद घोष ने
- फारवर्ड ब्लॉक की स्थापना की थी - सुभाष चंद्र बोस ने
- दिसंबर, 1931 में एक जिलाधिकारी को गोली मारने वाली बंगाल की दो स्कूली छात्राओं का नाम था - शांति घोष और सुनीति चौधरी

भारत से बाहर क्रांतिकारी गतिविधियां

श्यामजी कृष्ण वर्मा

- फरवरी, 1905 → इंडियन होमरूल सोसाइटी की स्थापना (लंदन)
- द इंडियन सोशियोलॉजिस्ट पत्र का प्रकाशन
- इंडिया हाउस की आधारशिला (सोसाइटी द्वारा)

गदर पार्टी

- स्थापना → 21 अप्रैल, 1913
- उद्देश्य → पराधीन भारत को अंग्रेजों से स्वतंत्र कराना
- मुख्यालय - सैन फ्रांसिस्को (अमेरिका)

हिंदुस्तान एसोसिएशन ऑफ दि पैसिफिक कोस्ट

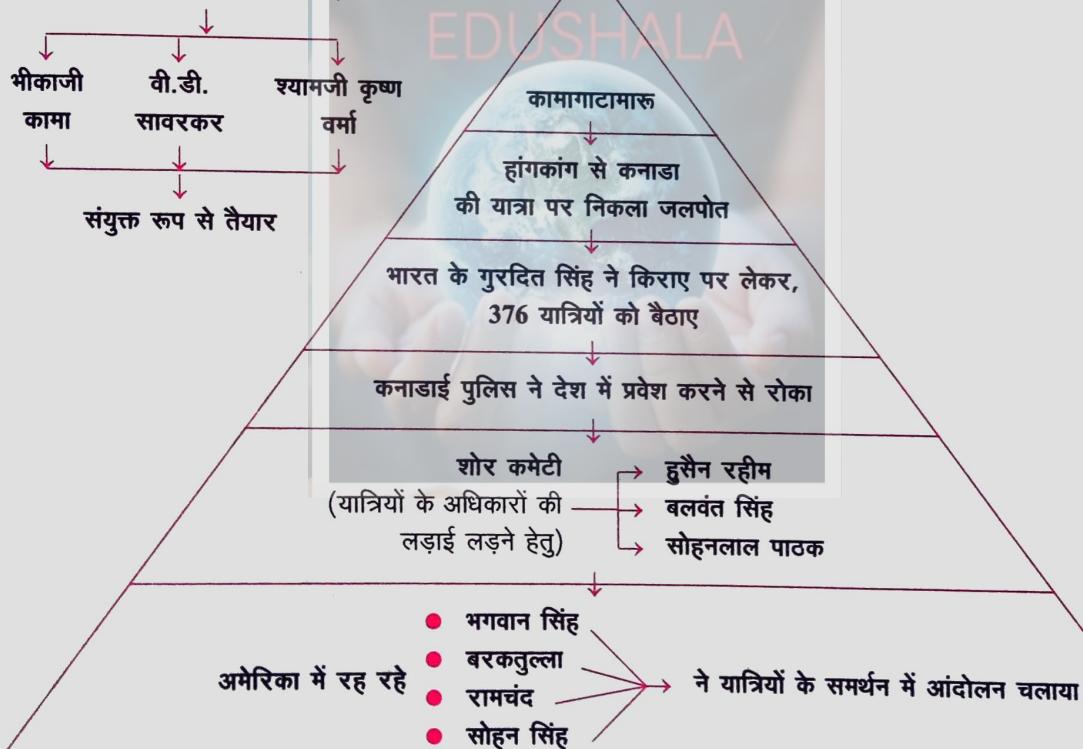
- स्थापना वर्ष → 1913
- संस्थापक → सोहन सिंह भाकना
- गदर नामक अखबार निकालने के कारण
इसका नामकरण भी गदर पार्टी
- पथ प्रदर्शक → लाला हरदयाल

- राजा महेंद्र प्रताप**
- बरकतुल्ला के साथ वर्ष 1915
 - काबुल में भारत की प्रथम अस्थायी सरकार का गठन
 - स्वयं राष्ट्रपति,
 - बरकतुल्ला प्रधानमंत्री

मैडम भीकाजी रुस्तम कामा

जन्म	पिता	पति	निजी सचिव	स्टुटगार्ट (जर्मनी)	अन्य नाम
24 सितंबर, 1861	सोराबजी फ्रॉमजी पटेल	रुस्तम के. आर. कामा	दादाभाई नौरोजी की	प्रथम भारतीय झंडे को फहराया	भारतीय क्रांति की मां

प्रथम भारतीय झंडे का डिजाइन

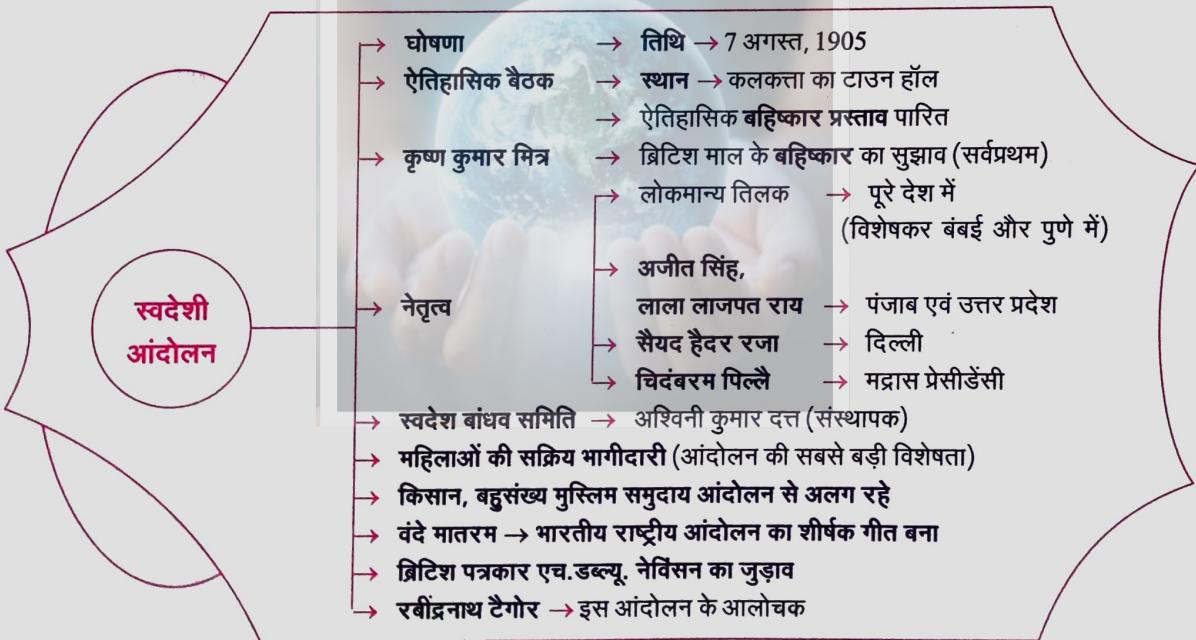
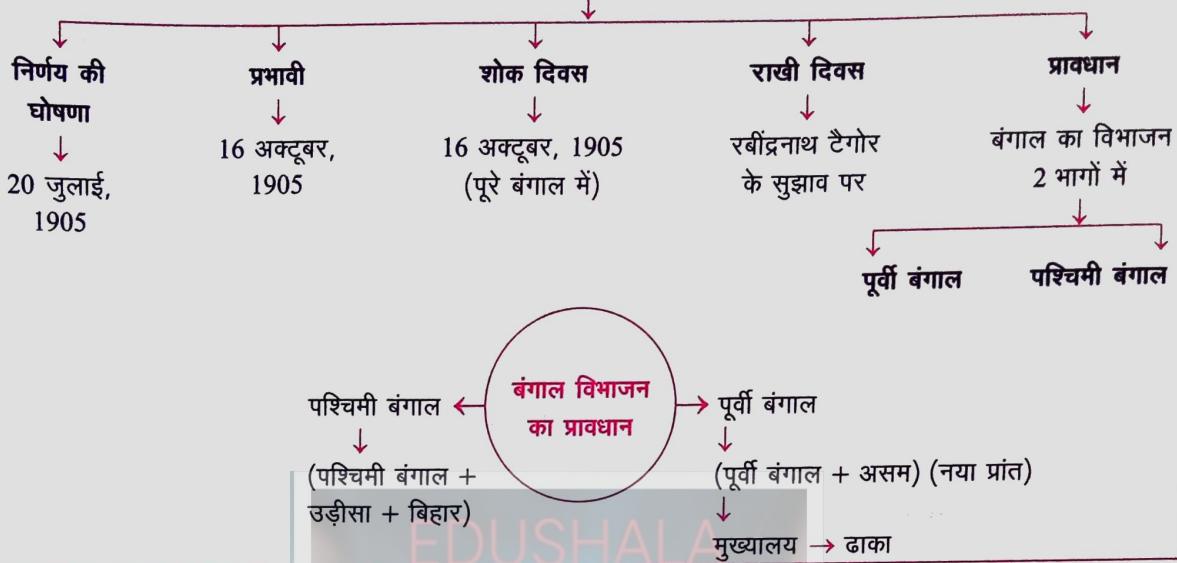


रासबिहारी बोस

- जापान में रह रहे भारतीय अप्रवासी
- 28-30 मार्च, 1942 टोक्यो में भारतीयों के एक सम्मेलन का आयोजन
- 14-23 जून, बैंकॉक सम्मेलन ● सुभाष चंद्र बोस को निमंत्रण,
- इंडियन इंडिपेंडेंस लीग की स्थापना

बंगाल विभाजन तथा स्वदेशी आंदोलन

बंगाल विभाजन (1905)



महत्वपूर्ण तथ्य

- इंडियन सोसाइटी ऑरिएंटल आर्ट की स्थापना की गई - अवनीद्रनाथ एवं गगनेन्द्रनाथ टैगोर द्वारा
 - बंगाल विभाजन को रद्द घोषित किया गया - 12 दिसंबर, 1911 को जॉर्ज पंचम द्वारा
 - बंगाल विभाजन की योजना में महत्वपूर्ण भूमिका रही - सर एन्ड्रुज हेंडरसन लीथ फ्रेजर की

महत्वपूर्ण तथ्य

- पूर्व एवं पाश्चात्य सभ्यता के मध्य एक बेहतर समन्वय संबंध के समर्थक थे - रवींद्रनाथ टैगोर
 - स्वदेशी आंदोलन के प्रारंभ होने का तात्कालिक कारण था - बंगाल का विभाजन
 - कलकत्ता की जगह दिल्ली को भारत की राजधानी बनाए जाने की घोषणा हुई - दिल्ली दरबार (1911) में

कांग्रेस अधिवेशन

► बनारस (1905)

- अध्यक्ष → गोपाल कृष्ण गोखले

- चर्चा → सेल्फ रुल प्रस्ताव पर

► कलकत्ता (1906)

- अध्यक्ष → दादाभाई नौरोजी

- पारित प्रस्ताव → स्वराज, स्वदेशी, बहिष्कार तथा राष्ट्रीय शिक्षा संबंधित

► सूरत (1907)

- अध्यक्ष - रासविहारी घोष

- उदारवादियों और अतिवादियों में अध्यक्ष पद को लेकर विवाद



- परिणाम ● कांग्रेस का विभाजन

दादाभाई नौरोजी

- भारत के वयोवृद्ध नेता (Grand Old Man of India)
- उदारवादी दल की ओर से फिसबरी से ब्रिटिश संसद के सदस्य चुने जाने वाले पहले भारतीय
- 1886 ई., 1893 ई. एवं 1906 में कांग्रेस अध्यक्ष
- गुजराती पत्रिका की शुरुआत (रास्त गोपत्तार)
- गोखले का कथन - यदि मनुष्य में कहीं देवत्व है, तो वह दादाभाई में है।

मार्ले - मिंटो सुधार

- लॉर्ड मिंटो → भारत का वायसराय
- जॉन मार्ले → भारत सचिव
- भारतीय परिषद अधिनियम, 1909
 - ब्रिटिश संसद द्वारा पारित संवैधानिक सुधार
 - अन्य नाम - मार्ले-मिंटो सुधार
 - सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचन मंडल की व्यवस्था (सबसे बड़ा दोष)
 - गांधी जी का कथन → मार्ले-मिंटो सुधार ने हमारा सर्वनाश कर दिया

मुस्लिम लीग

➤ गठन का प्रस्ताव

- दिसंबर, 1906 में ढाका के नवाब

सलीमुल्लाह खान द्वारा

➤ मुख्यालय → लखनऊ

➤ प्रथम अध्यक्ष → आगा खाँ

➤ उद्देश्य

- ब्रिटिश सरकार के प्रति मुसलमानों में निष्ठा बढ़ाना

- अन्य संप्रदायों के प्रति कटुता की भावना को बढ़ने से रोकना

- मुसलमानों के राजनीतिक अधिकारों की रक्षा करना

➤ अधिवेशन

- 1907 → कराची

- 1908 → अमृतसर (मुसलमानों के लिए

पृथक निर्वाचक मंडल की मांग)

कांग्रेस का लखनऊ अधिवेशन, 1916

- अध्यक्ष - अंबिका चरण मजूमदार
- उत्तरवादियों का कांग्रेस में पुनर्प्रवेश
- कांग्रेस, मुस्लिम लीग के मध्य समझौता

दिसंबर, 1916

➤ लखनऊ

- कांग्रेस

- मुस्लिम लीग

(एक ही समय अधिवेशन)

➤ लखनऊ समझौता

- कांग्रेस तथा मुस्लिम लीग के मध्य
- अन्य नाम - कांग्रेस-लीग योजना

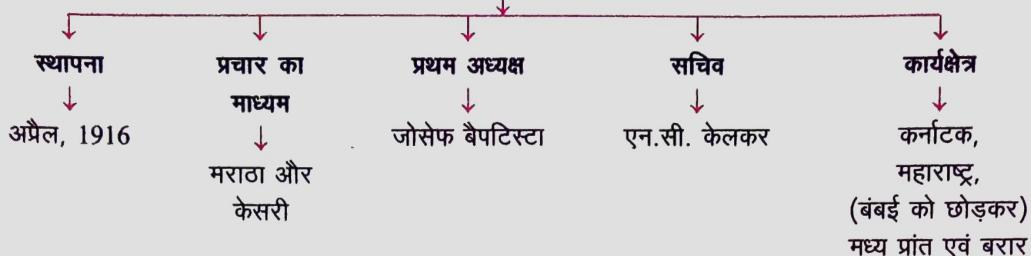
➤ अतिवादियों एवं उदारवादियों के पुनर्मिलन की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण

भूमिका थी - एनी बेसेंट और तिलक की

➤ कांग्रेस-लीग समझौते के मुख्य शिल्पी थे - जिन्ना और तिलक

होमरूल लीग आंदोलन

तिलक की होमरूल लीग



एनी बेसेंट की होमरूल लीग



महत्वपूर्ण तथ्य

- भारत में होमरूल आंदोलन को सर्वप्रथम एनी बेसेंट ने प्रारंभ किया।
- होमरूल लीग की स्थापना सर्वप्रथम बाल गंगाधर तिलक ने किया।
- होमरूल आंदोलन की व्याख्या 2 जनवरी, 1914 को अपने पत्र कॉमनवील में एनी बेसेंट ने किया था।

महत्वपूर्ण तथ्य

- प्रथम विश्व युद्ध के दौरान होमरूल लीग आंदोलन भारत में काफी लोकप्रिय रहा।
- एनी बेसेंट, फेब्रियन आंदोलन की प्रस्तावक थीं।
- अप्रैल, 1920 में अखिल भारतीय होमरूल लीग ने महात्मा गांधी को अध्यक्ष निर्वाचित किया और गांधी जी ने इसका नाम बदल कर स्वराज्य सभा कर दिया।

गांधी जी एवं उनके प्रारंभिक आंदोलन

परिचय

- जन्मतिथि ● 2 अक्टूबर, 1869
- जन्म स्थान ● पोरबंदर, गुजरात
- पत्नी ● कस्तूरबा गांधी
- पिता ● करमचंद गांधी
- उपनाम → कबा गांधी

गांधी जी के आरंभिक कार्य

- 1894 ई. → नटाल इंडियन कंग्रेस की स्थापना (द. अफ्रीका)
- टॉलस्टॉय फार्म की स्थापना
- अखबार → इंडियन ओपिनियन (द. अफ्रीका)
- 1904 → फीनिक्स आश्रम की स्थापना (डरबन, द. अफ्रीका)
- 1915 → सत्याग्रह आश्रम की स्थापना, अहमदाबाद

गांधी जी के सिद्धांत

- दार्शनिक अराजकतावादी
- रामराज्य के युगल सिद्धांत
 - सत्य
 - अहिंसा
- समाजवाद का अर्थ → सर्वोदय
- सत्याग्रह रणनीति
 - सर्वाधिक प्रभावी अस्त्र → उपवास (अग्नि-बाण)
 - अंतिम अस्त्र → हड्डाल
- सत्याग्रही का उद्देश्य
 - शत्रु को पराजित करना नहीं
 - शत्रु का हृदय परिवर्तन करके उसे अपने अनुकूल बनाना
- इच्छा → राज्यविहीन समाज की स्थापना
- निष्क्रिय प्रतिरोध (द. अफ्रीका) →
- सत्याग्रह ● नैतिक शक्ति
 - सत्य को मानकर किसी वस्तु के लिए आग्रह करना

गांधी जी से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य

- आत्मनियंत्रण
 - गांधी जी द्वारा परिवार नियोजन हेतु सुझाया गया (सर्वोत्तम उपाय)
- डरबन (दक्षिण अफ्रीका)
 - 1893 ई. में दादा अब्दुल्ला का मुकदमा लड़ने गए
- गोपाल कृष्ण गोखले
 - गांधी जी के राजनीतिक गुरु
- वर्ष 1901
 - कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में गांधी जी ने पहली बार भाग लिया
- बंबई → विधि कार्यालय की स्थापना
- 17 जून, 1917
 - सत्याग्रह आश्रम का सावरमती नदी के किनारे स्थानांतरण
- सत्ता का विकेंद्रीकरण
 - राजनीति के क्षेत्र में गांधी जी का सर्वाधिक महत्वपूर्ण सुझाव
- श्रम को
 - असाधारण महत्व

चंपारन सत्याग्रह

↓
गांधी जी का भारत में पहला सफल सत्याग्रह (1917 बिहार)



आंदोलन
किसान आंदोलन
(चंपारन एवं खेड़ा)
औद्योगिक मजदूरों का
आंदोलन (अहमदाबाद)

प्रसिद्ध कथन
“विदेशी वस्त्रों की बर्बादी ही उनके साथ सर्वोत्तम व्यवहार है”
देशी वस्तुओं के उत्पादन तथा बिक्री को प्रोत्साहन
प्रसिद्ध कथन
हरिजन सेवा मेरा जीवन श्वास है,
इसलिए इसके बिना मैं एक क्षण भी जिंदा नहीं रह सकता

गांधी जी के प्रेरणास्रोत

- | | |
|---------------|--|
| जौन रस्किन से | - सर्वोदय की अवधारणा के प्रतिपादन की प्रेरणा |
| थोरो से | - सविनय अवज्ञा और करबंदी की प्रेरणा |
| रस्किन से | - शारीरिक परिश्रम का आदर करना |
| टॉलस्टॉय से | - अहिंसक असहयोग का आधार |

परीक्षोपयोगी दृष्टि

- महात्मा गांधी को सर्वप्रथम राष्ट्रपिता कहा था - सुभाष चंद्र बोस ने
- नोआखाली काल में महात्मा गांधी के सचिव थे - प्यारे लाल
- भारत के प्रति ब्रिटिश सरकार की नीति के विरोध में 'राय बहादुर' की उपाधि का त्याग किया - जमनालाल बजाज ने
- चंपारन सत्याग्रह के दौरान गांधी जी को 'महात्मा' की उपाधि दी थी - रवींद्रनाथ टैगोर ने
- गांधी सेवा संघ के संस्थापक थे - जमनालाल बजाज
- गांधी जी ने कांग्रेस से इस्तीफा दिया था - वर्ष 1934 में
- गांधी जी की मृत्यु हुई थी - 30 जनवरी, 1948 को